Nai Dunia (Indore), 14th June 2022, Page – 05

आइआइटी में बढ़ रही स्टार्टअप की संख्या

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के इंक्यूबेशन सेंटर में स्टार्टअप संख्या बढ़ रही है। एक वर्ष में 15 नए स्टार्टअप स्थापित हुए हैं। पहले संख्या 11 थी, जो बढ़कर 26 हो गई हैं। इसमें ड्रोन, इलेक्ट्रिक वाहन बनाने से लेकर, कृषि और चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप शामिल हैं।

आइआइटी पहले से कई उद्योगों के साथ जुड़ा हुआ है। ऐसे में उद्योगों से ज्ञान और तकनीक के आदान-प्रदान में भी सहयोग मिलने से स्टार्टअप को गति मिल रही है। आइआइटी इंदौर से कुछ स्टार्टअप अपना विस्तार भी कर चुके हैं।

- संस्थान में शोध करने से लेकर उत्पाद तैयार करने के साधन
- अटल इंक्यूबेशन सेंटर में भी 50 स्टार्टअप कार्य कर रहे

आइआइटी इंदौर के सेंटर फार इनोवेशन, इंक्यूबेशन, आंत्रप्रेन्योरशिप और इंडस्ट्री रिलेशन (सीआइआइईआर) के असिस्टेंट रजिस्ट्रार डा. कुमार गौरव का कहना है कि स्टार्टअप को गति देने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। स्टार्टअप को फंडिंग और लोन उपलब्ध कराने के लिए हाल ही में एक बैंक से भी समझौता किया गया है।

अटल इंक्यूबेशन सेंटर में भी लगातार स्टार्टअप की संख्या बढ़ती जा रही है। यहां करीब 50 स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। कई स्टार्टअप के उत्पाद भी बाजार में आ चुके हैं। 50 में से 10 स्टार्टअप को करीब एक करोड़ की फंडिंग मिल चुकी है। सेंटर के सीईओ डा. संजीव पाटनी का कहना है कि भारत सरकार ड्रोन तकनीक को बेहतर करने पर जोर दे रही है। इसका उपयोग कृषि और कई क्षेत्रों में किया जा सकता है। इसे देखते हुए हमारे यहां ड्रोन का विशेष सेंटर बनाया गया है। रोबोटिक्स, इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) और साफ्टवेयर और सर्विस सहित कई क्षेत्रों में स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं।